Run by:*Maa Rewati Educational and Welfare Society*

MAA REWATI COLLEGE OF EDUCATION

(Recognised by:N.C.T.E. & Affiliated to R.D.V.V. Jabalpur)
Jantipur Road, Badi Khairi, Mandla (M.P.)-481661
Phone: 0764-2291912,Website: www.mrcedu.com
Email: mrcedu1@gmail.com

Metric 2.4.2

Students go through a set of activities as preparatory to school-based practice teaching and internship. Pre practice teaching / internship orientation/training encompasses certain significant skills and competencies such as:

- Documentary evidence in support of each selected activity

1. Content mapping :

2. Lesson planning/ individualized Education plans:

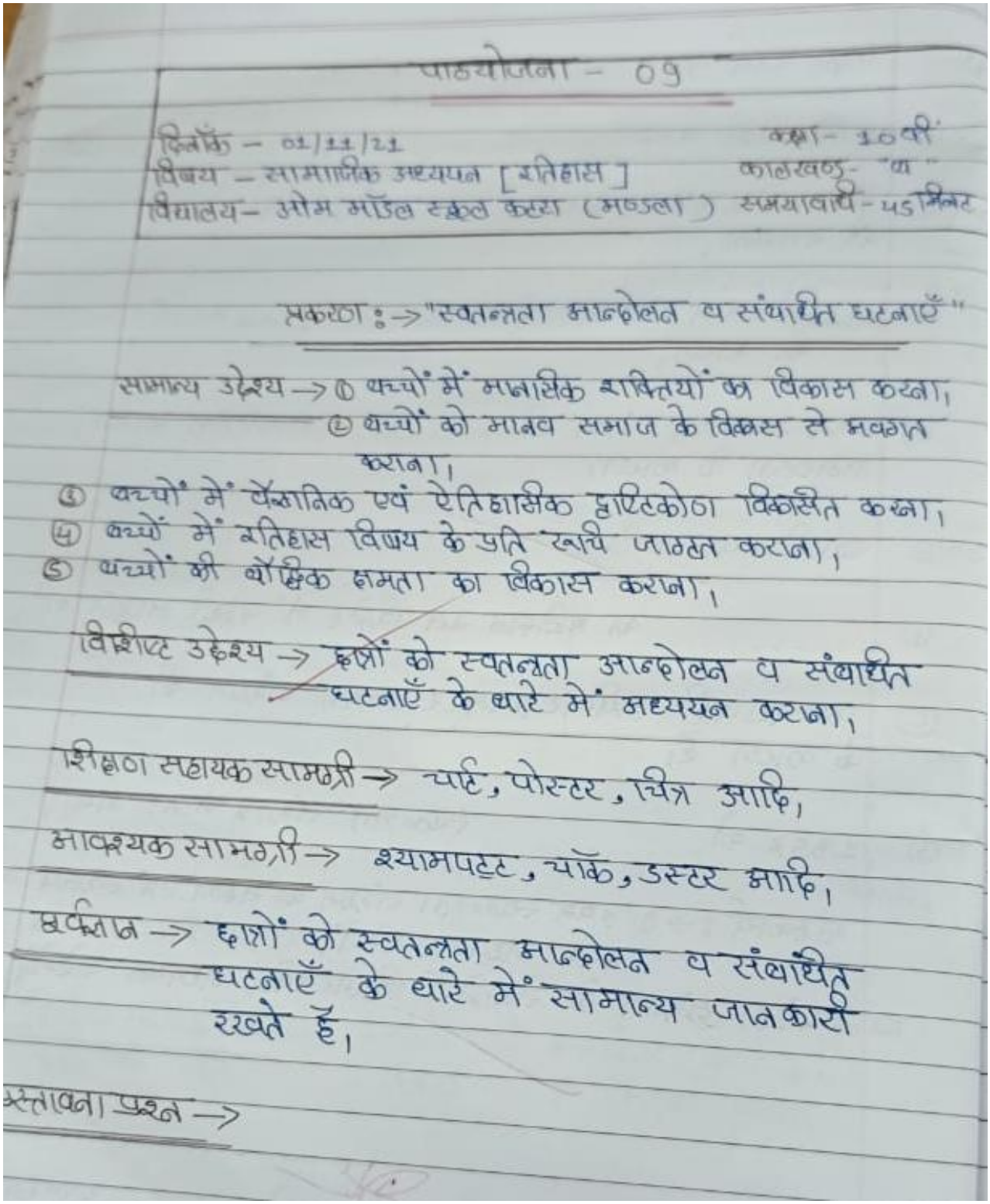

पाठयोजना - 09

दिनांक - 01/11/21 — कक्षा - 10वीं

विषय - सामाजिक अध्ययन [इतिहास] — कालखण्ड - "ब"

विद्यालय - ओम मॉडल स्कूल कस्सा (मण्डला) — समयावधि - 45 मिनट

प्रकरण :-> "स्वतन्त्रता आन्दोलन व संबंधित घटनाएँ"

सामान्य उद्देश्य -> ① बच्चों में मानसिक शक्तियों का विकास करना।
② बच्चों को मानव समाज के विकास से अवगत कराना।
③ बच्चों में वैज्ञानिक एवं ऐतिहासिक दृष्टिकोण विकसित करना।
④ बच्चों में इतिहास विषय के प्रति रुचि जाग्रत कराना।
⑤ बच्चों की बौद्धिक क्षमता का विकास कराना।

विशिष्ट उद्देश्य -> छात्रों को स्वतन्त्रता आन्दोलन व संबंधित घटनाएँ के बारे में अध्ययन कराना।

शिक्षण सहायक सामग्री -> चार्ट, पोस्टर, चित्र आदि।

आवश्यक सामग्री -> श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर आदि।

पूर्वज्ञान -> छात्रों को स्वतन्त्रता आन्दोलन व संबंधित घटनाएँ के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।

प्रस्तावना प्रश्न ->

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

छात्राध्यापिका क्रिया | छात्र क्रिया

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
① गाँधी जी कौन-सा जीवन बिताते थे,	उ०- सादा जीवन।
② गाँधी जी का पूरा नाम क्या है?	उ०- मोहनदास करमचन्द गाँधी।
③ गाँधी जी के महान आदर्श जीवन किन दो बातों पर महानता दिखाती है,	उ०- सत्य और अहिंसा पर।
④ स्वतन्त्रता आन्दोलन से क्या आशय है?	उ०- समस्यात्मक प्रश्न।

उद्देश्य कथन → छात्रों आज हम स्वतन्त्रता आन्दोलन व सम्बन्धित घटनाएँ के बारे में अध्ययन करेंगे।

शिक्षण विधि → प्रश्नोत्तर विधि, व्याख्यान विधि, श्यामपट्ट विधि आदि।

प्रस्तुतिकरण →

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
1) स्वतन्त्रता आन्दोलन की घटनाएँ	राष्ट्रीय आन्दोलन के इतिहास में अनगिनत व्यक्तियों, संस्थाओं और घटनाओं का योगदान रहा है।	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगें।	प्रारम्भिक वर्षों में उदारवादी नेताओं ने अपने तरीकों से नेतृत्व दिया।
	प्रारम्भिक वर्षों में उदारवादी नेताओं ने अपने तरीकों से देश को नेतृत्व प्रारम्भिक वर्षों में उदारवादी नेताओं ने अपने तरीकों से नेतृत्व दिया।	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेगें।	

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

शिक्षण बिंदु	छात्र-अध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
1. स्वतंत्रता आन्दोलनों की घटनाएँ	परन्तु बाद में नेतृत्व उग्र-राष्ट्रवादियों के हाथ में आया, उग्र राष्ट्रवादियों ने अपने असीम देश-प्रेम, बलिदान, त्याग के द्वारा स्वतंत्रता आंदोलन को एक नई दिशा और गति दी,	छात्र ध्यान-पूर्वक व्याख्या सुनेंगें,	उग्र राष्ट्रवादियों ने अपने असीम देश-प्रेम, बलिदान, त्याग के द्वारा स्वतंत्रता आंदोलन को एक नई दिशा और गति दी,
	लोकमान्य तिलक और महात्मा गांधी जैसे राष्ट्रवादी नेताओं ने विरोध और प्रतिरोध करने के अपने तरीकों द्वारा राष्ट्रवाद को आध्यात्मिकता सांस्कृतिक धरातल प्रदान किया,	छात्र ध्यान पूर्वक व्याख्या सुनेंगें,	क्रांतिकारी आंदोलनों की विस्तृत श्रृंखला ने जनता के समक्ष त्याग और बलिदान का उत्कृष्ट उदा० प्रस्तुत किया,
	क्रांतिकारी आंदोलनों की विस्तृत श्रृंखला ने जनता के समक्ष त्याग और बलिदान का उत्कृष्ट उदा० प्रस्तुत कर देश में व्यापक-पूर्व राजनीतिक जागृति उत्पन्न की,		लोकमान्य तिलक और महात्मा गाँधी जैसे-नेताओं का नाम राष्ट्रवादी नेताओं में आता है,
2. बंगा-भंग और स्वदेशी आंदोलन	बंग-भंग आंदोलन → 16 अक्टूबर 1905 को बंगाल विभाजन प्रभावी हो गया इसके अनुसार →	छात्र ध्यान-पूर्वक व्याख्या सुनेंगें,	

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
बंग-भंग और स्वदेशी आंदोलन	① पूर्वी बंगाल और असम को मिलाकर एक नया प्रांत बनाया गया, जिसमें चटगाँव राजशाही व ढाका के तीन जिले सम्मिलित थे, इस प्रांत की राजधानी ढाका थी, ② पश्चिम बंगाल, बिहार और उड़ीसा को मिलाकर दूसरा प्रांत गठित किया गया, इस प्रांत की राजधानी कलकत्ता थी,	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे,	बंग-भंग आंदोलन ↓ 16 अक्टूबर 1905 को बंगाल विभाजन प्रभावी हो गया, ↓ इसके अनुसार ① पूर्वी बंगाल और असम को मिलाकर एक नया प्रांत बनाय गया, ② पश्चिम बंगाल, बिह और उड़ीसा को मिलाकर दूसरा प्रां गठित किया गया
	स्वदेशी आंदोलन → स्वदेशी आंदोलन पर राष्ट्रवादी नेताओं की पकड़ मजबूत हो चुकी थी, इस आन्दोलन में विदेशी सामान के बहिष्कार को सर्वाधिक लोकप्रियता मिली,	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे,	स्वदेशी आंदोलन ↓ इस आंदोलन पर रा राष्ट्रवादी नेताओं की पकड़ मजबूत हो चु थी, तथा इस आं में विदेशी सामान बहिष्कार को सर्वा लोकप्रियता मिली
	आन्दोलनकारी विदेशी कपड़ों की होली तो जला ही रहे थे, औरतों ने विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया व धोबियों ने विदेशी कपड़े धोने से मना कर दिया, आंदोलन की सर्वव्यापकता से भारतीयों के मन में स्वराज की धारणा बलवती हुई,	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे,	

Page No.
Date :

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
3) बंग-भंग और स्वदेशी आंदोलन के प्रभाव –	① बंग-भंग के कारण एकता की भावना का विकास हुआ। ② स्वदेशी के प्रति नागरिकों का सम्मान बढ़ा। ③ पारम्परिक हस्तकारी उद्योग में नवजीवन का संचार हुआ। ④ शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन आया।	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे।	बंग-भंग आंदोलन के कारण सांस्कृतिक चेतना का विकास हुआ। व स्वदेशी आंदोलन के प्रभाव से सूरत में फूट हुई।
	⑤ बंग-भंग के कारण सांस्कृतिक चेतना का विकास हुआ। ⑥ स्वदेशी आंदोलन के प्रभाव से सूरत की फूट हुई।	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगे।	

बोधात्मक प्रश्न →

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
① बंगाल विभाजन प्रभावी कब हुआ?	उ० 16 अक्टूबर 1905 को
② स्वदेशी आंदोलन पर किन नेताओं की पकड़ मजबूत हो चुकी थी?	उ० उग्रराष्ट्रवादी नेताओं की
③ इस आंदोलन में किन समानों के बहिष्कार को सर्वाधिक लोकप्रियता मिली?	उ० विदेशी समान को।
④ राष्ट्रवादी नेताओं के नाम बताइए?	उ० लोकमान्य तिलक और महात्मा गाँधी।
⑤ औरतों ने किन वस्तुओं का बहिष्कार किया?	उ० विदेशी वस्तुओं का।

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

पुनरावलोकन प्रश्न →

(1) बंगाल विभाजन प्रभावी कब हुआ?
(2) स्वदेशी आंदोलन पर किन नेताओं की पकड़ मजबूत हो चुकी थी?
(3) राष्ट्रवादी नेताओं के नाम बताइए?
(4) इस आन्दोलनों में किन समानों के बहिष्कार को सर्वाधिक लोकप्रियता मिली?
(5) औरतों ने किन वस्तुओं का बहिष्कार किया?

कक्षा कार्य →

प्र०(1) खाली स्थान भरिए -

(1) विदेशी सामानों का ________ किया गया।
(2) औरतों ने ______ वस्तुओं का बहिष्कार किया।
(3) महात्मा गाँधी ______ राष्ट्रवादी थे।

प्र०(2) सही जोड़ी बनाइए -

(1) राष्ट्रवादी नेता	16 अक्टूबर 1905
(2) बंगाल विभाजन	उग्र राष्ट्रवादी
(3) लोकमान्य तिलक	महात्मा गाँधी

गृहकार्य → (1) खिलाफत और असहयोग आंदोलन का अध्ययन
(2) जलियाँवाला बाग हत्याकांड का सविस्तार अध्ययन

पर्यवेक्षक के हस्ता० विषय शिक्षक के हस्ता० छात्राध्यापिका हस्ता०

प्रधानाचार्य
मॉडल स्कूल कटरा
मण्डला (M.P.)

टिप्पणी → कार्य सर्वोत्तम रहा

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

INDEX

क्रमांक	Date	Tittle	Page. No.
01	5-12-22	श्यामपट्ट लेखन कौशल का अभ्यास करना।	1-6
02	5-12-22	श्यामपट्ट लेखन कौशल का अभ्यास करना।	7-11
03	16-12-22	श्यामपट्ट लेखन कौशल का अभ्यास करना।	12-17
04	21-12-22	उद्दीपन परिवर्तन कौशल।	18-12
05	21-12-22	उद्दीपन परिवर्तन कौशल।	23-26
06	21-12-22	पुनर्बलन कौशल का पुनः अभ्यास करना।	27-30
07	22-12-22	पुनर्बलन कौशल का पुनः अभ्यास करना।	31-35
08	24-12-22	प्रस्तावना कौशल का अभ्यास करना।	36-39
09	22-12-22	प्रस्तावना कौशल का अभ्यास करना।	40-43
10	22-12-22	दृष्टान्त कौशल का अभ्यास करना।	44-48
11	28-12-22	दृष्टान्त कौशल का पुनः अभ्यास करना।	49-53

छात्राध्यापक हस्ताक्षर

विषय शिक्षक हस्ताक्षर

पर्यवेक्षक हस्ताक्षर

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

सूक्ष्म पाठ्योजना क्रमांक – 01

PAGE NO. 1
DATE :

अध्यापन
पुनराध्यापन

दिनांक – 5/12/2022
विषय – विज्ञान
कक्षा – 6th
समयावधि – 10 मिनट
कालखण्ड – II nd
प्रकरण – 'दैनिक जीवन में विज्ञान'

श्यामपट्ट लेखन कौशल

घटक

लेखन की स्पष्टता
(1) अस्पष्ट अक्षर
(2) अनुपयुक्त अक्षर
(3) शब्दों में अनुपयुक्त अक्षर
(4) अक्षर कक्षा के अंतिम छोर तक पढ़े जा सकते है।
(5) बड़े या छोटे अक्षरों के अंतराल में अंतर
(6) अक्षरों के अंतर आकार में अंतर

श्यामपट्ट कार्य की स्वच्छता
(1) वाक्य सीधी लाइन में नहीं
(2) दो शब्दों के मध्य अन्तराल उपयुक्त
(3) शब्द अव्यवस्थित लिखे
(4) श्यामपट्ट पर ध्यानकेंद्रित नहीं

श्यामपट्ट कार्य की उपयुक्तता
(1) श्यामपट्ट कार्य में सत्य का अभाव
(2) श्यामपट्ट कार्य संक्षिप्त और स्पष्ट
(3) रंगीन पेन का उपयुक्त प्रयोग किया गया।

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

मुख्य बिन्दुओ का रेखांकन ।

(4) मुख्य बिन्दुओं पाठ के साथ बनाये ।

(5) चित्र रेखाचित्र उपयुक्त था ।

(6) चित्र रेखा चित्र

* **उद्देश्य :-** सूक्ष्म शिक्षण द्वारा श्यामपट्ट लेखन कौशल का अभ्यास करना ।

→ **प्रस्तुतीकरण :-**

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
(1) दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व को समझना।	प्र.(1) विज्ञान किसे कहते है?	प्रकृति के क्रमबद्ध ज्ञान को विज्ञान कहते है।	दैनिक जीवन में विज्ञान की उपयोगिता। → कृषि के क्षेत्र में (i) उर्वरक (ii) खाद्य (iii) ट्रेक्टर-जुताई के लिये (iv) उन्नत बीज → शिक्षा के क्षेत्र में (i) कम्प्यूटर (ii) लेपटॉप (iii) ई लर्निंग
	प्र.(2) विज्ञान हमारे जीवन मे किस प्रकार प्रभाव डालता है?	समस्यात्मक प्रश्न	
	छात्राध्यापक कथन :- विज्ञान की वजह से हमारे बहुत से काम आसान हो गये है। साथ ही समय, धन, तथा श्रम की बचत भी होती है।	छात्र ध्यान-पूर्वक सुनते है।	
विज्ञान के क्षेत्र संक्षिप्त टिप्पणी	प्र.(1) यातायात के साधनों के नाम बताइए?	बस, कार, रेलमार्ग	
	प्र.(2) आज के दैनिक जीवन में प्रयोग होने	।	

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

विज्ञान के अन्य क्षेत्रों के बारे में बताइए.?	समस्यात्मक प्रश्न	→ यातायात के क्षेत्र में ↓ बस, कार, रेलगाड़ी जहाज, सायकल → दूर संचार में ↓ टेलीफोन, E.mail. fax Instamate → मनोरंजन में T.V, रेडियो smartphone गेम.
शिक्षक कथन :- हमारे दैनिक जीवन में विज्ञान की उपयोगिता निम्न क्षेत्रों में है - कृषि के क्षेत्र में, शिक्षा के क्षेत्र में यातायात के क्षेत्र में, दूर संचार के क्षेत्र में, चिकित्सा के क्षेत्र में तथा औद्योगिक क्षेत्र आदि में किसी न किसी रूप में हम रोजाना अपनी दैनिक दिनचर्या में विज्ञान द्वारा अविष्कार किये गये वस्तुओं का उपयोग हम करते है। उदा० बस, कार, मोबाइल, फोन, टार्च, बिजली, ईंधन कपड़ा खाद्य पदार्थ, दवाइयाँ आदि।		

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

पर्यवेक्षक अनुसूची क्र. -01

क्रमांक	घटक	मिनट 1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	लेखन की स्पष्टता										
(1)	अस्पष्ट अक्षर	I	I								
(2)	अनुपयुक्त अक्षर	I	I	I	I						
(3)	शब्दों में अनुपयुक्त अंतराल	I	I	I							
(4)	अक्षर कक्षा के अंतिम छोर तक पढ़े जा सकते है।	I	I	I	I	I	I				
(5)	बड़े या छोटे अक्षरों के अंतराल में अंतर	I	I	I							
(6)	अक्षरों के आकार में अंतर	I	I								
	श्यामपट्ट कार्य की स्वच्छता										
(7)	वाक्य सीधी लाइन में नही	I	I								
(8)	दो लाइनों के मध्य अंतराल	I	I	I	I	I					
(9)	शब्द अव्यवस्थित लिखे	I	I								
(10)	श्यामपट्ट कार्य पर ध्यानकर्षित केन्द्रित	I	I	I							
	श्यामपट्ट कार्य की उपयुक्तता										
(11)	श्यामपट्ट कार्य में सत्य का आभाव	I									
(12)	श्यामपट्ट कार्य संक्षिप्त और स्पष्ट	I	I	I	I						
(13)	रंगीन पेन का उपयुक्त प्रयोग	I	I	I	I	I					
(14)	मुख्य बिन्दुओं का रेखांकन	I	I								
(15)	चित्र रेखा चित्र पाठ के साथ बनाए	I	I	I	I	I	I				
(16)	चित्र रेखा चित्र उपयुक्त था	I	I	I	I						

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

पर्यवेक्षण अनुसूची क्र. – 02

क्रमांक	कथन	कम 1	2	मध्यम 3	4	5	6	7	ज्यादा 8	9	10
	लेखन की स्पष्टता										
(1)	अस्पष्ट अक्षर	1	**2**	3	4	5	6	7	8	9	10
(2)	अनुपयुक्त अक्षर	1	2	3	**4**	5	6	7	8	9	10
(3)	शब्दों के अनुपयुक्त अंतराल	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(4)	अक्षर कक्षा के अंतिम छोर तक पढ़े जा सकते हैं।	1	2	3	4	5	**6**	7	8	9	10
(5)	बड़े या छोटे अक्षरों के अंतराल में अंतर	1	2	**3**	4	5	6	7	8	9	10
(6)	अक्षरों के आकार में अंतर	1	**2**	3	4	5	6	7	8	9	10
	श्यामपट्ट कार्य स्वच्छता										
(7)	वाक्य सीधी लाइन में नहीं	1	**2**	3	4	5	6	7	8	9	10
(8)	दो लाइनों के मध्य अंतराल अनुपयुक्त	1	2	3	4	**5**	6	7	8	9	10
(9)	शब्द अव्यवस्थित लिखे	1	**2**	3	4	5	6	7	8	9	10
(10)	श्यामपट्ट पर ध्यान कब्जित केन्द्रित	1	2	**3**	4	5	6	7	8	9	10
	श्यामपट्ट कार्य की उपयुक्तता										
(11)	श्यामपट्ट कार्य में सत्य का अभाव	**1**	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(12)	श्यामपट्ट कार्य संक्षिप्त और स्पष्ट	1	2	3	**4**	5	6	7	8	9	10
(13)	रंगीन चॉक का उपयुक्त प्रयोग किया	1	2	3	4	**5**	6	7	8	9	10
(14)	मुख्य बिन्दुओं का रेखांकन	1	**2**	3	4	5	6	7	8	9	10
(15)	चित्र रेखा चित्र पाठ के लिए बनाए	1	2	3	4	5	**6**	7	8	9	10
(16)	चित्र रेखा चित्र उपयुक्त था	1	2	3	**4**	5	6	7	8	9	10

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

अन्य बिन्दु

क्रमांक	अन्य बिन्दु	हाँ	नहीं
(1)	पाठ प्रारंभ की पूर्व श्यामपट्ट साफ किया	✓	
(2)	पाठोपरान्त श्यामपट्ट साफ किया	✓	
(3)	कक्षा में छात्रों और अध्यापकों के मध्य अध्यापन वातावरण बना		✓
(4)	चॉक से लिखते समय चॉक की आवाज आई		✓
(5)	श्यामपट्ट साफ करते समय डस्टर उठती है।	✓	

टिप्पणी :- (1) आपके अक्षरों के मध्य अंतराल कम है, इसमें सुधार करें।
(2) चित्रों व रेखाचित्रों का अधिक प्रयोग करें।
(3) अक्षरों को छोटे बड़े आकार में न लिखें।

छात्राध्यापक हस्ताक्षर

विषय शिक्षक हस्ताक्षर

पर्यवेक्षक हस्ताक्षर

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

3. **Identifying varied student abilities:**

4. **Dealing with students' diversity in classrooms:**

5. **Visualizing differential learning activities according to student needs :**

6. **Addressing inclusiveness:**

7. **Assessing student learning:**

8. Mobilizing relevant and varied learning resources :

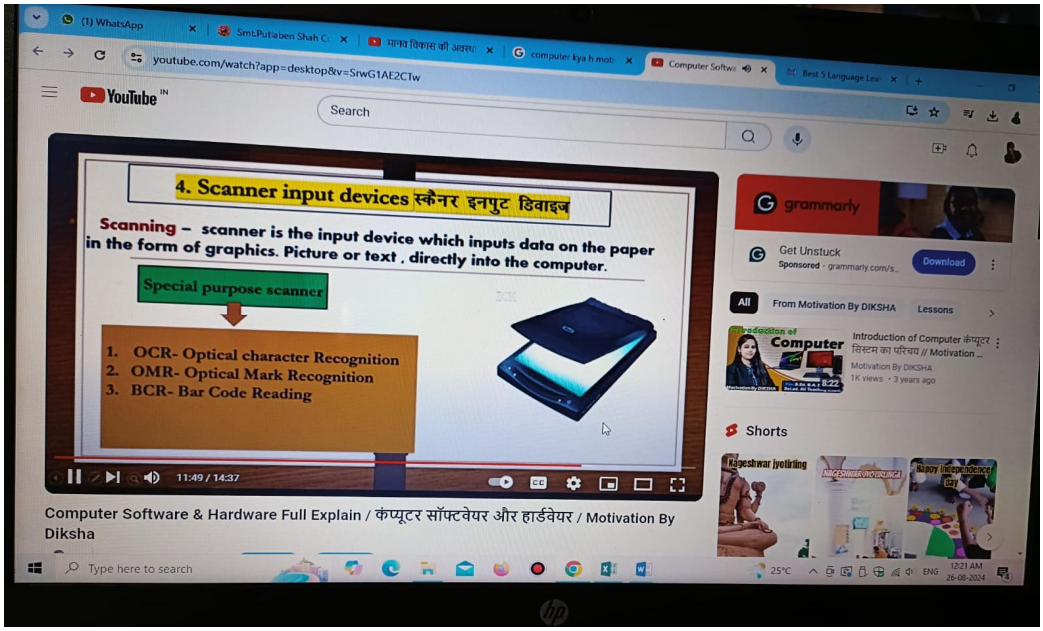

9. Evolving ICT based learning situations:

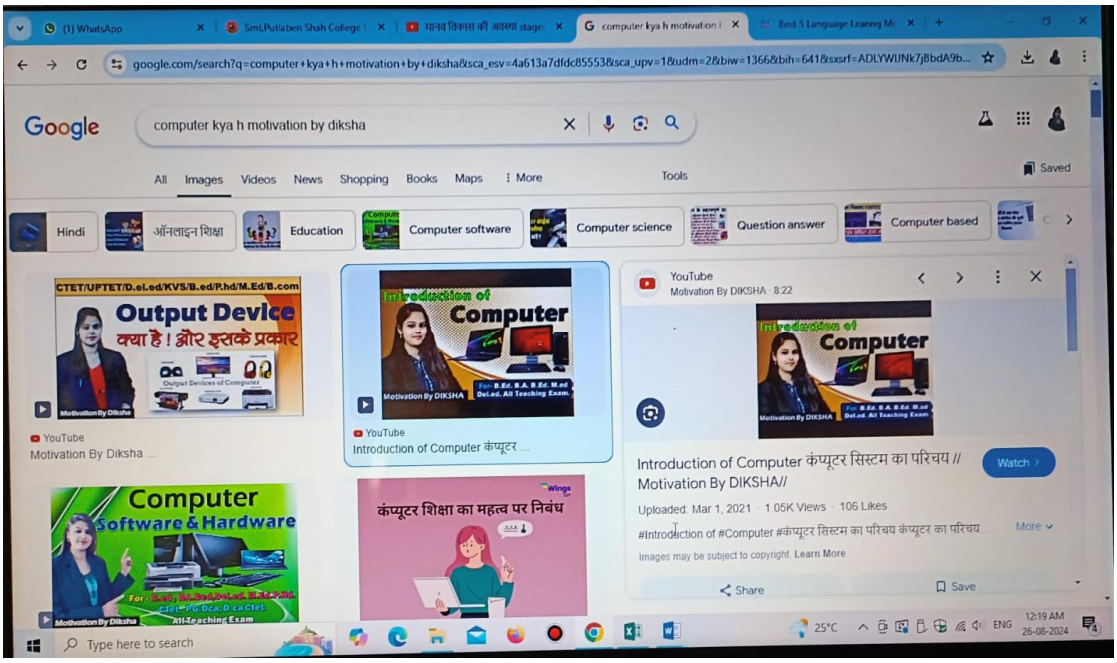

10. Exposure to community engagement :

मतदान जागरूक कार्यक्रम

विश्व एड्स जागरूकता दिवस

Speech Delivered By "Brijarshi Tiwari" (D.el.ed Ist yr)

Principal
Maa Roweti College of Education
Mandla (M.P.)

11. Formulating learning objectives :

Principal
Maa Roweti College of Education
Mandla (M.P.)